Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 26-04-2007

Participants : Suman Shri Ramji Lal

an>

Title: Need to take steps to increase the production of edible oil in the Country.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद): महोदय, देश में आम आदमी आज दैनिक उपयोग की वस्तुओं की उपलब्धता की किल्लत से बेहाल हो रहा है । गेहूं, चावल, दाल, खाद्य तेल ऐसी वस्तुएं हैं जिनका आम आदमी रोज उपयोग करता है । सरकार गेहूँ, चावल, दाल, चीनी आदि की कमी की बात करती है, किन्तु खाद्य तेल भी इसी श्रेणी की वस्तु हो चुकी है । गत वर्षों से लगातार देश में दलहनों का उत्पादन कम होता जा रहा है । खाद्य तेल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भरता बढ़ती जा रही है । 1990 में 3 फीसदी आयात करके जहां देश की खाद्य तेल की आवश्यकता पूरी की जाती थी वहीं अब 40 फीसदी आयात हो रहा है । विश्व के अन्य देशों की तुलना में भारत में दलहनों की उपज दर 50 फीसदी ही है । राट्रीय तेल पिराई एसोसिएशन ने एक श्वेत पत्र हाल ही में जारी किया है, उसमें उल्लेख है कि अब भविय में आयात पर निर्भर हो कर देश के खाद्य तेल की आवश्यकता को पूरा करना कठिन हो जाएगा । सोयाबीन का तेल अमेरिका में, रेपसीड का तेल अन्य यूरोपियन देशों में, पामतेल मलेशिया और इंडोनेशिया में 'वायो फ्यूअल' उत्पादन के लिए उपयोग किया जा रहा है । अतः अंतर्राट्रीय बाजार में खाद्य तेल की उपलब्धता नगण्य बन जाएगी । वहीं इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च का कहना है कि मात्र तकनीकी का उपयोग बदल कर दलहन का उत्पादन 30 फीसदी बढ़ाया जा सकता है । उन्न्त किस्म के बीज का उपयोग कर उपज दर विश्व स्तर से ऊपर लाई जा सकती है । यह खाद्य तेल एक आवश्यक दैनिक उपयोग की वस्तु ही नहीं वरन देश के लाखों लोगों को रोजगार भी उ पलब्ध करा रहा है और यह उन लोगों को रोजगार दिलाता है जो अकुशल हैं, अनपढ़ हैं और ग्रामों में निवास करते हैं ।

अतः मेरा सरकार से आग्रह है कि तत्काल इस दिशा में कारगर कदम उठाए और आम आदमी को राहत पहुंचाने में सहयोगी बने ।